(राजस्थान–सरकार)

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, बारॉ (राज.)

पीठासीन अधिकारी दिवांशु शर्मा (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या :– 09 / 2025

रजिस्ट्रेशन नं0:– 2025 / 36

बउनवान

सरकार जरिये थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली बारॉ जरिये जिला पुलिस अधीक्षक महोदय बारॉ
(सायल)

बनाम

हंसराज उम्र 40 वर्ष पुत्र छीतरलाल जाति राठी निवासी ग्राम सुन्दलक थाना कोतवाली बारॉ जिला बाराँ
(गैरसायल)

इस्तगासा अन्तर्गत राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा–3

उपस्थिति :– 1– अभियोजन अधिकारी (सायल)
2– श्री विजय सिंह चौहान अभिभाषक (गैरसायल)

निर्णय दिनांक 11.07.2025

वाक्यात मामला इस्तगासा इस प्रकार है कि गैरसायल हंसराज पुत्र छीतरलाल जाति राठी निवासी ग्राम सुन्दलक थाना कोतवाली बारॉ जिला बारॉ के विरूद्व जिला पुलिस अधीक्षक, बारॉ द्वारा राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 की धारा–3 के अन्तर्गत प्रेषित किया गया है।

संक्षिप्त में प्रकरण इस प्रकार है कि गैरसायल के खिलाफ थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली बारॉ ने जिला पुलिस अधीक्षक महोदय, बारां को रिपोर्ट की है कि पुलिस थाना कोतवाली बारॉ क्षेत्र के अन्तर्गत गैरसायल आपराधिक प्रवृति का व्यक्ति है। गैरसायल जुआ, सट्टा खेलने खिलाने के अपराधों का आदि है। इसके विरूद्व पुलिस थाना कोतवाली बारॉ में वर्ष 2014 से वर्ष 2025 तक कुल 10 आपराधिक प्रकरण अन्तर्गत धारा 13 आरपीजीओ (7) एवं 3 / 25 आर्म्स एक्ट (1), एवं भा.द.स.(2) के तहत दर्ज हुए है। उक्त समस्त प्रकरणो में से 09 प्रकरणों मे गैरसायल न्यायालय से सजायाब हो चुका है। इसके विरूद्व 41 / 110 सीआरपीसी के तहत इंसदादी कार्यवाही भी की जा चुकी है। फिर भी इसकी आपराधिक गतिविधियॉ जारी है तथा लगातार अपराधों की ओर अग्रसर हो रहा है। इसकी आम शौहरत भी ठीक नहीं है। इसका आम जनता में भय एवं आतंक बना हुआ है। इसके विरूद्व कोई भी व्यक्ति रिपोर्ट करने अथवा गवाही देने से डरता है। इसकी इन आपराधिक गतिविधियों के कृत्य से लोक व्यवस्था एवं शांति को खतरा उत्पन्न हो रहा है। कानून व्यवस्था एवं लोकशान्ति को दृष्टिगत रखते हुये इसके क्रियाकलापों पर अंकुश लगाना आवश्यक है। अतः उपरोक्त समाजकंटक के विरूद्व राजस्थान गुण्डा अधिनियम के तहत कार्यवाही हेतु इस्तगासा प्रेषित कर विधिवत कार्यवाही करते हुए इसको जिले की सीमा से निष्कासन किया जावे।

इस प्रकार गैरसायल द्वारा आपराधिक कार्य किये जिससे सार्वजनिक शांतिभंग होने से आम जनता में भय का वातावरण उत्पन्न होता है। गैरसायल को समस्त प्रकरणों में न्यायालय द्वारा दोष सिद्व ठहराया जाकर सजायाब किया जा चुका है। यह गुण्डा की परिभाषा में आता है। अतः इसके विरूद्व अन्तर्गत राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम 1975 धारा–3 के तहत कार्यवाही की जावें। इस्तगासा विरूद्व गैरसायल के पेश कर, उक्त आपराधिक कृत्य में मशगूल होने से गैरसायल को गुण्डा घोषित किया जाकर, उसे राज. गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1975 की धारा–3 के अन्तर्गत जिले से निष्कासित करने के आदेश चाहे गये।

इसके उपरांत गैरसायल के विरूद्व प्रस्तुत इ[illegible] दिनांक 01.05.2025 को दर्ज रजिस्टर किया गया तथा पुलिस द्वारा प्रस्तुत इस्तगासे एवं [illegible] गैरसायल को आहूत किया गया। प्रकरण मे गैरसायल द्वारा मय अभिभाषक उपस्थित होकर उपस्थिति दी गई। गैरसायल के अभिभाषक द्वारा प्रकरण में जवाब प्रस्तुत किया गया जो शामिल पत्रावली किया जाकर प्रकरण में उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई।

Signature Not Verified
Digitally signed by Divanshu Sharma
Date: 2025.09.04 11:45:31 IST
Reason: SelfAttested

दौराने बहस अभियोजन अधिकारी सरकार पक्ष का मुख्य कथन है कि गैरसायल के विरूद्व पुलिस थाना कोतवाली बारॉ मे वर्ष 2014 से वर्ष 2025 तक कुल 10 आपराधिक प्रकरण अन्तर्गत धारा 13 आरपीजीओ (7) एवं 3 / 25 आर्म्स एक्ट (1), एवं भा.द.स.(2) के तहत दर्ज हुए है। उक्त समस्त प्रकरणो में से 09 प्रकरणों मे गैरसायल न्यायालय से सजायाब हो चुका है। इसके विरूद्व 41 / 110 सीआरपीसी के तहत इंसदादी कार्यवाही भी

की जा चुकी है। फिर भी इसकी आपराधिक गतिविधियॉ जारी है तथा लगातार अपराधों की ओर अग्रसर हो रहा है। इसकी आम शौहरत भी ठीक नहीं है। इसका आम जनता में भय एवं आतंक बना हुआ है। इसके विरूद्ध कोई भी व्यक्ति रिपोर्ट करने अथवा गवाही देने से डरता है। इसकी इन आपराधिक गतिविधियों के कृत्य से लोक व्यवस्था एवं शांति को खतरा उत्पन्न हो रहा है। कानून व्यवस्था एवं लोकशान्ति को दृष्टिगत रखते हुये इसके क्रियाकलापों पर अंकुश लगाना आवश्यक है। अतः उपरोक्त समाजकंटक के विरूद्व राजस्थान गुण्डा अधिनियम के तहत कार्यवाही हेतु इस्तगासा प्रेषित कर विधिवत कार्यवाही करते हुए इसको जिले की सीमा से निष्कासन किया जावे।

गैरसालय के अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत जवाब के तथ्यों को दोहराते हुए दौराने बहस कहा गया कि गैरसायल के विरूद्व थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली बारॉ द्वारा इस्तगासा इस न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है। गैरसायल के विरूद्व थाने मे दर्ज प्रकरण वर्ष 2021 से पूर्व के है। गैरसायल ने वर्तमान मे कोई अपराध कारित नही किया है ओर न ही भविष्य मे कारित करेगा। थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली बारॉ द्वारा गैरसायल के विरूद्व असंवेधानिक रूप से कार्यवाही प्रस्तुत की गई है। अतः श्रीमान से निवेदन है कि गैरसायल के विरूद्व राजस्थान गुण्डा नियंत्रण अधिनियम, 1975 की धारा 3 के तहत प्रस्तुत इस्तगासा खारिज किया जावे।

प्रकरण मे अभियोजन अधिकारी पक्ष सरकार एवं गैरसायल के अभिभाषक की बहस सुनी तथा इस्तगासे में प्रस्तुत अभिलेखों का अवलोकन किया जाकर, मनन किया गया। गैरसायल के विरूद्व पुलिस थाना कोतवाली बारॉ में वर्ष 2014 से वर्ष 2025 तक कुल 10 आपराधिक प्रकरण अन्तर्गत धारा 13 आरपीजीओ (7) एवं 3/25 आर्म्स एक्ट (1), एवं भा.द.स.(2) के तहत दर्ज हुए है। उक्त समस्त प्रकरणो में से 09 प्रकरणों मे गैरसायल न्यायालय से सजायाब हो चुका है। इसके विरूद्व 41/110 सीआरपीसी के तहत इंसदादी कार्यवाही भी की जा चुकी है।

अतः उक्त समस्त तथ्यों के अनुसार यह साबित होता है कि हंसराज पुत्र छीतरलाल जाति राठी निवासी सुन्दलक थाना कोतवाली बारॉ जिला बारॉ द्वारा उक्त अपराध किए गए है जिसके आधार पर गैरसायल राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम की धारा 2 (आ) की परिभाषा में आना पूर्णतया सिद्व है क्योंकि धारा 2(आ) के प्रावधान के अनुसार गैरसायल को 09 प्रकरणों में न्यायालय से सजायाब किया जा चुका है।

अतः गैरसायल हंसराज पुत्र छीतरलाल जाति राठी निवासी सुन्दलक थाना कोतवाली बारॉ जिला बारॉ को सजायाबी रिकार्ड के आधार पर राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम 1975 की धारा 2 (आ) के तहत गुण्डा घोषित करता हूँ तथा राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम, 1975 की धारा 3 (3) (क) के प्रावधानों के अन्तर्गत बारां जिले के पुलिस थाना क्षेत्र, कोतवाली बारॉ जिला बारां से 15 दिन के लिए गैरसायल को निष्कासित किये जाने का आदेश देता हूँ।

गैरसायल हंसराज पुत्र छीतरलाल जाति राठी निवासी सुन्दलक थाना कोतवाली बारॉ जिला बारॉ को राजस्थान गुण्डा नियन्त्रण अधिनियम, 1975 की धारा 3 के तहत पुलिस थाना क्षेत्र कोतवाली बारां से 15 दिन के लिए निष्कासित किया जाता है। गैरसायल उक्त अवधि में अपनी उपस्थिति प्रत्येक दिवस थानाधिकारी पुलिस थाना, अन्ता जिला बारॉ को देगा। इस अवधि में अपराधी ऐसा कोई आचरण नहीं करेगा जो व्यक्तियों के प्रतिकूल एवं सामान्य व्यवहार संहिता के विरूद्व हो अर्थात् इस अवधि में पूर्ण सच्चरित्र रहेगा। किसी आपराधिक गतिविधि में भाग नहीं लेगा।

गैरसायल के विरूद्व यह आदेश दिनांक 27.07.2025 से प्रभावी होगा।

नियमानुसार तहरीरे जिला पुलिस अधीक्षक, बारां एवं थानाधिकारी पुलिस थाना अन्ता, जिला बारॉ को दी जावें। थानाधिकारी पुलिस थाना कोतवाली बारॉ जिला बारां को तहरीर दी जावे जिसमें यह लिखा जावें कि गैरसायल को उक्त आदेश की पालना में जिले के पुलिस थाना कोतवाली बारॉ जिला बारां क्षेत्र से बाहर निष्कासित कर थानाधिकारी पुलिस थाना अन्ता, जिला बा[illegible]र्द कर पालना रिपोर्ट इस न्यायालय में पेश करे।

निर्णय आज दिनांक 11.07.2025 को [illegible] पत्रावली बाद तामील तकमील फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

Signature Not Verified
Digitally signed by Divanshu Sharma
Date: 2025.09.04 11:45:31 IST
Reason: SelfAttested

(दिवांशु शर्मा)
अति0 जिला मजिस्ट्रेट,
बारॉ